हिन्दुस्तान

35 अरब से सात औद्योगिक गलियारे बनेंगे

लखनऊ, विशेष संवाददाता। यूपी में दो एक्सप्रेसवे के किनारे सात नए औद्योगिक गलियारे बनने जा रहे हैं। इनमें दो बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे के किनारे होंगे और पांच पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए इसके लिए 3500 करोड़ रुपये का इंतजाम करने को भी कह दिया है। इससे औद्योगिक इकाइयों को एक्सप्रेस के जरिए अपना माल लाना पहुंचाना काफी आसान होगा।

हाल में मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में हुई उच्चस्तरीय समीक्षा में औद्योगिक विकास विभाग के प्रस्ताव को मुख्यमंत्री ने हरी झंडी दे दी। तय हुआ कि हर गलियारे के लिए प्रारंभिक चरण में 100-100 एकड़ जमीन अधिग्रहीत या खरीदी जाएगी। इसका विस्तार की संभावनाओं को देखते हुए यूपीडा से कहा गया है कि वह अधिक से अधिक जमीन का इंतजाम कम से कम समय में कर लिया जाए। फिलहाल, हर कारिडोर के लिए 500-500 करोड़ रुपये का इंतजाम होगा। मानसून सत्र में आने वाले अनुपूरक बजट में इस परियोजना के लिए 3500 करोड़ रुपये का इंतजाम किया जाएगा। इसके अलावा सिकरीगंज से रामजानकी मार्ग पर धुरियापार के पास भी कारिडोर की संभावनाएं देखी जा रही हैं।

100 एकड़ जमीन हर गलियारे के लिए की जाएगी अधिग्रहीत

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर पांच

यूपीडा द्वारा चयनित सलाहकार कंपनी ने लखनऊ से गाजीपुर तक बने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के किनारे पांच स्थल चिन्हित किए हैं। इनमें लखनऊ में कासिमपुर विरूहा, बाराबंकी में बम्हरौली, सुल्तानपुर में कारेबान, आजमगढ़ में खुदचंदा व गाजीपुर में चकजमरिया में इंडस्ट्रियल कारिडोर विकसित किए जाएंगे।

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे पर दो

बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे में पहला कारिडोर जालौन के डकौर में दूसरा बांदा के जालौन के जामौर में बनेगा। यह कारिडोर बुंदेलखंड में पहले से बन रहे डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर से अलग होंगे। यूपीडा से यह भी कहा गया है कि वह गंगा एक्सप्रेसवे के किनारे भी उपयुक्त स्थलों को इंडस्ट्रियल कारिडोर के लिए चिन्हित करे।